

भूवाप्यपद्यत तद्यदिष्टात्समभवंस्तदिष्टकास्तस्मादग्निनेष्टकाः पचति ÇAT. Ba. 6, 1, 2, 22. fgg. VS. 13, 31. अथ्यथमानामिष्टका ददन्ते पुत्रम् 14, 11, 17, 2, 35, 8. ÇAT. Ba. 7, 1, 1, 32. fgg. 8, 7, 2, 17. fgg. 9, 4, 2, 6. fgg. 10, 4, 2, 1. fgg. KATHOP. 1, 15. P. 4, 4, 125. M. 8, 250. SUGA. 2, 181, 12. तावत्यो (nämlich 1440) ऽग्नेर्नुष्पत्य इष्टकाः AIR. Ba. 8, 28. आहुतीष्टका TS. 3, 4, 10, 1, 2. इष्टकाचितं ÇAT. Ba. 10, 1, 2, 5. fgg. KĪTJ. ÇA. 17, 1, 13. 2, 5, 7, 28. 12, 18. इष्टकाचित mit Verkürzung des Auslauts P. 6, 3, 65. पक्वेष्टकाचितानि JĪĀK. 1, 197. इष्टकापूर्णा Ind. St. 1, 81. Verz. d. B. H. No. 259. fg. अग्निष्टका ÇAT. Ba. 6, 2, 1, 10. इष्टकागृहम् HIT. I, 186. भगवता कनकशक्तिना चतुर्विधः संध्युपायो दर्शितः । तद्यथा पक्वेष्टकानामाकर्षणामोष्टकानां तु च्छेदनं पिण्डमयानां सेचनं काष्ठमयानां पाटनमिति । तदत्र पक्वेष्टके (lies °क, loc. von einem Thema mit verkürztem Auslaut) इष्टिकाकर्षणम् MĀKĪH. 47, 8—10. 15. — Vgl. इष्टिका.

इष्टकापथ n. die Wurzel von *Andropogon muricatus* AK. 2, 4, 5, 20. Nach anderer Trennung im Texte: अयदादिष्ट, कापथ und अयदादिष्टकापथ. — Vgl. इष्टिकापथिक.

इष्टकामडक (1. इष्ट - काम + डक) f. (nom. °धुगु) = कामडक BHAG. 3, 10.

इष्टकार्क von इष्टका zu P. 5, 2, 109; इष्टकावत् gaṇa मघादि zu P. 4, 2, 86.

इष्टगन्ध (1. इष्ट + गन्) m. Wohlgeruch oder adj. wohlriechend AK. 1, 1, 4, 20. H. 1391. an. 4, 149. MED. dh. 43. — 2) n. Sand H. an. MED.

इष्टजन (1. इष्ट + जन) m. geliebte Person, (Geliebter) Geliebte ÇĀK. 21, 6. 60, 4.

इष्टनि (vielleicht für निष्टनि von स्तन् mit निस्) adj. rauschend, von Agni: अग्रस्वतीष्वरास्विष्टनिरार्तनास्विष्टनिः RV. 1, 127, 6 (SĀS. = षष्टव्य); vgl. निष्टनिकि इति वाधमानः 6, 47, 30.

इष्टपञ्चम् (2. इष्ट + पञ्) adj. der einen Opferspruch gesprochen hat VS. 8, 12. TS. 3, 2, 5, 4.

इष्टयामन् (1. इष्ट + याम्) adj. dessen Gang geht, wie oder wohin er will: वायुर्नो यो नियुवो इष्टयामा RV. 9, 88, 3.

इष्टरश्मि (1. इष्ट + रश्) adj. der die erwünschten (besten) Zügel (Stränge) hat RV. 1, 122, 13.

इष्टर्ग s. इष्टर्ग.

इष्टव्रत (1. इष्ट + व्रत) adj. dem Wunsch gehorchend: इष इष्टव्रता अकः RV. 3, 59, 9.

इष्टाकृत (1. इष्ट + कृत mit Dehnung des Auslauts) n. Wunsch und Tat d. h. Erfüllung des Wunsches (?), Name einer bes. Opferfeier: अस्मिन् (आश्रमे) किल स्वयं राजन्निष्टवान्वै प्रजापतिः । सत्तमिष्टाकृतं नाम पुरा वर्षसकृन्निकम् ॥ MBh. 3, 10513. — Vgl. das folg. W. und इष्टीकृत.

इष्टापूर्त (1. इष्ट + पूर्त mit Dehnung des Auslauts) n. sg. und du. Wunsch und Erfüllung (Gabe) d. h. Genüge der Wünsche; diese gehört zum Zustand der Seligen im Himmel. Dem Todten wird zugerufen: सं गच्छस्व पितृभिः सं यमेनेष्टापूर्तेन परमे व्योमन् RV. 10, 14, 1. ebenso: इष्टापूर्तमनुसंक्राम विद्वान् AV. 18, 2, 57. VS. 15, 54. सममुष्मिं लोक इष्टापूर्तेन गच्छति TS. 3, 3, 8, 5. इष्टापूर्तमवतु नो पितृणाम् AV. 2, 12, 4. 3, 12, 8. 29, 1. in einem Fluche: इष्टापूर्ते ते लोकं सुकृतमायुः प्रजा वृक्षीय यदि मे दुह्येः solltest du mir Leid antun, so nähme ich dir Seligkeit und Himmel, Leben und Nachkommenschaft AIR. Ba. 8, 15. इष्टापूर्तस्यापरिग्र्यानिः 7, 21. ÇAT.

Ba. 13, 1, 5, 6. इष्टापूर्ते मन्यमाना वरिष्ठे नान्यच्छ्रेयो वेदयन्ते प्रमूढाः । नाकस्य पृष्ठे ते सुकृते ऽनुभूवेमं लोकं हीनतरं चाविशति ॥ MUND. UP. 1, 2, 10. इच्छया ब्रूहि तत्सत्यं सत्यं राजसु शोभते । इष्टापूर्तेन (damit man der Seligkeit theilhaftig werde) च तथा वक्तव्यमनन्तं न तु ॥ MBh. 1, 7223. 3, 1231. वितथं तु वेदयुर्ये धर्मं प्रहृद पृच्छते । इष्टापूर्ते च ते व्रति सत परावरान् ॥ 2, 2329. 17, 82. R. 1, 23, 8. du.: यदागच्छात्पृथिभिर्देवयानैरिष्टापूर्ते कृपावाथाविरस्मै VS. 18, 6. KHAND. UP. 5, 10, 3. KATHOP. 1, 8. PRAÇNOP. 1, 9. Die Lexicographen (TRIK. 2, 7, 9. H. 835) und Erklärer deuten इष्ट durch Darbringung von Opfern und पूर्त durch fromme Werke (Graben von Teichen u. s. w.). वापीकूपतडागानि देवतायतनानि च । अन्नप्रदानमारामाः पूर्तमर्थ्याः प्रचक्षते ॥ एकाग्रिकर्म क्वचनं त्रेतायां यच्च ह्युते । अन्नवेद्यां च यद्दानमिष्टं तदभिधीयते ॥ H. 835, Sch. — Vgl. 1. इष्ट 4.

इष्टावत् (von 2. इष्ट) adj. mit Opfern versehen: ये अन्नयो अङ्गिरसो नवगवा इष्टावतो रातिषाचो दधानाः AV. 18, 3, 20.

इष्टाश्च (1. इष्ट + अश्च) adj. der die erwünschten (besten) Pferde hat RV. 1, 122, 13.

1. इष्टि (von I. इष्) f. P. 3, 3, 96 (ved.; klass. इष्टि VĀrt. 1 zu 3, 3, 95). 1) Antrieb, Beschleunigung, Eile; Aufforderung, Befehl, Sendung: इन्द्रस्याङ्गिरसो चैष्टि विदत्सर्मा तनपाय धामिम् RV. 1, 62, 3. 57, 2. तस्मिन्सति प्रशिषस्तस्मिन्निष्टयैः 145, 1. स (रथः) इष्टिभिर्मतिनी रथो भूत् 2, 18, 1. 28, 7. याम्निष्टयै 4, 112, 1. 5, 44, 4. 1, 148, 3. तथा कृणु । यथा त उश्मसीष्टयै 30, 12. 115, 4. — 2) das Suchen, Aufsuchen, Nachgehen; häufig construiert nach Art eines infin.: अभोगय इष्टयै राय उ त्वम् RV. 1, 113, 5. इष्टयै त्वमर्थमिव तमित्यै 6. मत्सं वायुमिष्टयै राधसे च 9, 97, 42. नृषेथा यज्ञमिष्टयै 5, 78, 3. सुममिष्टयै 6, 70, 4. 10, 36, 6. मयु च्छेदा भनति रभ इष्टा 6, 11, 3. 10, 49, 2. 92, 13. अग्रै वक् वरुणमिष्टयै नः 70, 11. यदिष्टिभिः प्रैषमेच्छन् तदिष्टीनामिष्टिवल् (wo die Etymologie falsch ist, da es sich um 2. इष्टि handelt) AIR. Ba. 1, 2. In folgenden zwei Stellen ist das Wort vielleicht concret: der Suchende, Nachgehende d. h. Behütende zu verstehen; von Agni: (वायुभिः) अदब्धेभिरुदपितेभिरिष्टे ऽग्निमिष्टिः परि पाकि नो जाः RV. 1, 143, 8. अदब्धेभिस्तव गोपामिष्टिष्टे ऽस्माकं पाकि त्रिषधस्य सूरिन् 6, 8, 7. — 3) Wunsch, Bitte, Verlangen AK. 3, 4, 41. H. an. 2, 80. MED. †. 3. प्र वामिष्टयो ऽग्नेमनुवतु RV. 6, 74, 1. 2, 1, 9. विश्वेदस्मे सुदिना सासदिष्टिः 4, 4, 7. 6, 7. एता अन्नं आमुषाणांसं इष्टीयुवाः सचाम्येषाम् वाजान् 7, 93, 8. सुत इष्टौ मघवन्बोध्याभगः 10, 44, 9. VS. 27, 33. — 4) der Ausspruch einer Autorität: इति भाष्यकारिष्ट्या गताथवात् P. 6, 3, 35. VĀrt. 4, Sch. KĀC. zu P. 1, 2, 6 in der ed. Calc. = संयकृत्लोका H. an. 2, 81. MED. †. 3. Vgl. इष्, इच्छति 3. und 1. इष्ट 1, c. — Am Ende eines comp. in अश्चमिष्टि, क्रन्ददिष्टि, पञ्चइष्टि, भन्ददिष्टि, वस्यइष्टि, साधदिष्टि, स्विष्टि.

2. इष्टि (von यज्ञ) f. Opferung, Opfer P. 3, 3, 95. VĀrt. 1. AK. 3, 4, 41. H. an. 2, 80. MED. †. 3. विश्वासु क्वयास्विष्टिषु RV. 1, 147, 2. इष्टेः पुत्रम् 125, 3. एभिर्वज्ञेभिस्तद्वनीष्टिमश्याम् 166, 14. In der technischen Sprache ist इष्टि oft die Darbringung eines einfachen, aus Butter, Früchten und dgl. bestehenden Opfers im Unterschied vom feierlicheren Thier- und Soma-Opfer. AIR. Ba. 1, 2. तस्मा एतामिष्टिं निर्वपेत् TS. 2, 3, 2. तस्मिदिता संवर्ग इतोष्टिमाहुः 4, 2, 3. दीक्षणीयायामिष्टौ AIR. Ba. 3, 45. उपांशु देवतां यजति तद्वनीष्टिषु ÇAT. Ba. 1, 6, 2, 12. 3, 5, 10. 5, 2, 2, 6. fgg. सा केषा पशव्येष्टिः 11, 1, 5, 11. 7, 2, 2, 10. 4, 3, 5, 20. तं यद्येकाको यजमानो